।।ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं नमः।।।।ॐ नमः सिद्धम्।।*

।।नमो नमो गुरु श्री धर्म-सुरेन्द्र-राम-जगच्चन्द्र सूरये।।

* संस्कृत का प्रारंभ से पाँच पाठ तक का प्रश्नपत्र (कुल कमाङ्क 60)

(प्र.-1) नीचे दिये गये प्रश्नो के जवाब एक वाक्य में दें। (15×1=15)
प्रश्न के बाजु में ही जवाब लिखने है।

1. सन्ध्यक्षर किसको कहेते है।

2. विराम का अर्थ क्या है।

3. पहले अ का लोप कब नहीं होता।

4. पद संज्ञा क्यो करते है।

5. वर्णो के संयोग से क्या बनता है।

6. अनुनासिक व्यंजनो का कौन सी संज्ञा में निषेध किया गया है।

7 वर्ग का तीसरा/चौथा और पाँचवें अक्षर को कौन सी संज्ञा में लिया गया है।

8. कौन से और कितने व्यंजनो की स्व संज्ञा नही होती।

9. ओष्ठ्य उच्चार स्थान में कितने और कौन कौन से अक्षर (वर्ण) आते है।

10. मि आदि प्रत्ययो को कौन से प्रत्यय कहेते है।

11. धातु किसको कहेते है उसकी दोनो व्याख्या लिखे।

12. धातु के समुदाय में से अलग करने वाला प्रत्यय कौन सा है।

13. उपधमानीय का दृष्टांत लीखे।

14. जो संज्ञा में दीर्घ स्वर में से पाँच ही दीर्घ आते है वैसी संज्ञा कौन सी है।

15. परस्पर स्व संज्ञा कब कहलाती है।

(प्र.-2) : खाली जगह पूरे) (10×1=10)

1. _____ प्रत्यय लगने पर _____ प्रत्यय लगता है।

2. _____ प्रत्यय जिसे लगे हो उसे _____ कहते है।

3. जो स्वर ___ से भी ज्यादा लंबाकर बोला जाता है, उसे _____ कहते है।

4. दन्त्य उच्चार स्थान में _____ स्वर आते है।

5. औष्ठ्य उच्चार स्थान में _____ सन्ध्यक्षर आते है।

6. अ का लोप _____ नहीं होता है।

7. अ का आ _____ प्रत्ययो के आगे होता है।

8. जो मूल शब्द _____ को दिखाने पर नाम बनता है।

9 जो _____ क्रिया अभी चल रही हो, उसे _____ काल कहते है।

10. पद के अंत में _____ हो तो उसका _____ हो जाता है।

* प्र.-3
* संस्कृत वाक्यों का हिन्दी अर्थ लिखें। (1०×1=1०)
वाक्य की पूरी पहेचान। पूरा अेड्रेस बताएँ।

1. रक्षतः।

2. क्षरावः।

3. अर्चन्ति।

4. अटामि।

5. भणति।

6. जीवसि।

7. पतथः।

8 पठामः।

9 त्यजथः।

1० चरथ।

(प्र:4) हिन्दी वाक्यों का संस्कृत करे पूरे परिचय देकर। (10×1=10)

1. वह छोड़ रहा है।

2. हम दो संभालते है।

3. तुम सब आचरण करते हो।

4. वे सब घूमते है।

5. मैं जी रहा हूँ।

6. तुम दो कहते हो।

7. वे दोनों टपकते है।

8. हम सब जल रहे है।

9. तु- खाना खाता है।

10. तुम सब चलते हो।

(प्र.5) सही स्थान में जोड़ें। (15×1=15)

1. 12	3 मात्रा
2. जाति वाचक	मि आदि प्रत्यय
3. श + र	चरामि
4. नासिक + स्वर	समान
5. 7	सन्ध्यक्षर
6. टपकना	ह्
7. अर्हम्	वे सब अर्चा करते है।
8. पहला गण	बन्दर
9. मैं आचरण करता हूँ।	20
10. पुरुषबोधक प्रत्यय	मंगल के लिए परमेश्वर का ध्यान
11. प्लुत	अनुनासिक
12. 10	श्र
13. घोषवान्	शिद
14. अर्चन्ति।	क्षर्
15. धुट् + घोषवान्	अ विकरण

॥ इति शुभम भवतु ॥